गुणवत्तापरक शिक्षा हो ध्येय: नैथानी

- foRrfoghu ekU;rk ikIr fo|ky; ,lkfl,'ku dk okf"kd lEeyu
- e=h u dgk] in'k dh foRrh; fLFkfr dk n[kr g, fy;k tk,xk fu.k;

ngjknuA वित्तविहीन मान्यता प्राप्त विद्यालय एसोसिएशन का देहरादून में वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन शिक्षामंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रदेश की वित्तीय स्थिति को देखते हुए वित्तविहीन विद्यालयों के बारे में विचार किया जाएगा।

परेड ग्राउंड स्थित हिंदी भवन में आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन विद्यालयी शिक्षामंत्री श्री नैथानी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शिक्षकों का मुख्य ध्येय छात्र–छात्राओं को गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करना होना चाहिए। जिन विद्यालयों में अच्छी पढ़ाई होती है वे ही अपनी पहचान बना पाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षकों की समस्याओं के प्रति गंभीर है, शिक्षकों की समस्याओं का हरसंभव निराकरण किया जाएगा।

श्री नैथानी ने कहा कि प्रदेश की आर्थिक स्थिति को देखते हुए ही वित्तविहीन विद्यालयों के संबंध में कोई निर्णय लिया जाएगा। सम्मेलन में एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मंत्री को अपनी समस्याओं से अवगत कराया, इस संबंध में मंत्री को एक मांगपत्र भी सौंपा गया।

सम्मेलन में एसोसिएशन के अध्यक्ष आरसी रमोला ने कहा कि वित्तविहीन मान्यता प्राप्त विद्यालयों के जरिए 40 हजार बेरोजगार युवाओं को अपने अल्प संसाधनों से रोजगार प्रदान किया गया है। वित्तविहीन मान्यता प्राप्त विद्यालय शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सर्व शिक्षा अभियान में सरकार के सभी मानकों को पूर्ण करते हैं। सीबीएसई और आईसीएसई के बोर्डिंग स्कूलों की तुलना में राज्य के 4015 से अधिक वित्तविहीन मान्यता प्राप्त स्कूल अल्प शुल्क में ही दस लाख से अधिक छात्रों को अच्छी शिक्षा प्रदान कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वित्तविहीन मान्यता प्राप्त विद्यालय एसोसिएशन को शासन स्तर पर अन्य शिक्षक संघटनों की तर्ज पर मान्यता देने के लिए अपने स्तर से विभागीय अधिकारियों को निर्देशित कराएं। उत्तराखंड शिक्षा सलाहकार बोर्ड में वित्तविहीन मान्यता प्राप्त विद्यालयों से भी कम से कम दो सदस्यों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए। उत्तराखंड में संचालित मान्यताप्राप्त विद्यालयों में जिन शिक्षकों को दस वर्ष या इससे अधिक का समय अध्यापन कार्य कराते हुए हो गया है, उन्हें दिक्षामुक्ति का प्रमाणपत्र देकर राजकीय सेवाएं दिलाने के लिए नीतिगत फैसला लिया जाए। सम्मेलन में कुलभूषण सिंह शर्मा, एससी जैन, सुरेंद्र सिंह, दलवीर कुमार, सरोज, शिक्षालता, मुकेश कुमार आदि ने विचार व्यक्त किए।

मार्शल आर्ट बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक: भट्ट

- ek'ky vkV ifr;kfxrk lEiUu

ngjknuA मुएथाई एसोसिएशन के तत्वावधान में खेल विभाग कार्यालय प्रांगण ने मार्शल आर्ल्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला खेल अधिकारी ध र्मेन्द्र भट्ट ने फीता काट कर किया। इस मौके पर श्री भट्ट ने कहा कि प्रतियोगिताओं में भागीदारी से युवाओं का सर्वार्गीण विकास संभव होता है।

उन्होनें भरोसा दिया कि खेल विभाग मार्शल आर्ट के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। इस मौके पर एसोसिएशन के अध्यक्ष नवीन हिक्की ने कहा कि खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए एसोसिएशन जनपद और प्रदेश स्तर पर प्रतियोगिताओं का समय–समय पर आयोजन करती रहेगी। इस अवसर पर उत्तराखण्ड जाट महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ओमसिंह राठी ने कहा कि युवाओं में मार्शल आर्ट का क्रेज तेजी से बढ़ रहा हैं जिसे देखते हुए प्रतिस्पर्धात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन अतिआवश्यक है। और इस दिशा में एसोसिएशन का प्रयास सराहनीय कदम है। इस अवसर पर एसोसिएशन द्वारा आयोजित सब जूनियर प्रतियोगिता बालिका वर्ग में कुमारी अनुश्री, अतिसिंह, जैसमीन ने स्वर्ण पदक व यामिनी सिंह पारूल राणा व नेहा ममगाई ने रजत पदक झटके। इसी क्रम में सब जूनियर बालक वर्ग में अंश प्रजापति, भगत सिंह, आरमन प्रजापति ने स्वर्ण व वीरसिंह सर्वज्ञ राज, प्रिंस ने रजत पदक हासिल किया। इसके अलावा वेट लिफ्टिंग में दर्जनभर खिलाड़ियों ने स्वर्ण, रजत, कांस्य पदक हासिल किये। प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण सूरज थापा और हिमांशु बिष्ट के बीच टाइटिल बैल्ट के लिए हुआ मुकाबला रहा। इस मुकाबले में सूरज थापा ने टाइटिल बैल्ट का खिताब जीता।

सत्संग से ईश्वर प्राप्ति संभव: रावत

- lr fujdkjh eMy e iopu vk;kftr

ngjknuA भजन–कीर्तन मनुष्य को मानसिक शांति तो दे सकते हैं, लेकिन ईश्वर के दर्शन का मार्ग नहीं प्रशस्त कर सकते। सच्ची भक्ति के लिए ईश्वर के प्रति आसक्ति जरूरी है।

यह बात संत निंरकारी मंडल के तत्वाधान में आयोजित प्रवचनों के दौरान संत व सत्संग प्रमुख कलम सिंह रावत ने कही। उन्होंने कहा कि ईश्वर के परम को जाने बिना भजन–कीर्तन करने से ईश्वर की भक्ति नहीं प्राप्त होती। बैंकुठ जब होता है तब हम सच्चे मन से परमात्मा का स्मरण करते हैं। सत्संग का अर्थ है सदाचारी लोगों की संगत कर समर्पित भाव से ईश्वर का स्मरण अर्थात सदसंगत और समर्पण भाव ईश्वर प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

इस अवसर पर रजनी बालावाला ने दुनिया के दुख मिटा दो, सुख चैन बरसा दो, सुख चैन बरसा दो सुंदर गीत प्रस्तुत किया। हेमलता सोलंकी न कहा जो होता है दिखता नहीं है और दिखता है होता नहीं, भारत में कदम–कदम पर मंदिर, मस्जिद, गुरूद्वारे, चर्च धार्मिक स्थल मौजूद हैं।

जहां दिन रात प्रार्थना–पूजा की जाती है और सही शब्दों में इस निराकार पार ब्रह्म की ही उपासना की जाती है। इसलिए सद्गुरू बाबा हरदेव सिंह इस ज्ञानरूपी भक्ति का संदेश दे रहे हैं। बाल संगत के बच्चों ने तेरी सेवा, तेरी पूजा करें हम पर गीत से संत्संग का ज्ञान अपनी ओर खींचा।

सत्संग समापन से पूर्व दूर–दूर से आए संतो ने अपनी–अपनी स्थानीय भाषा का सहारा लेकर संगत को निहाल किया। मंच का संचालन युवा संत खूबीराज ने बहुत ही सुन्दर ढंग से किया।

lkxBfud etcrh dk dk;l dj% vk;l

- f'koluk NkMdj ntuk ykxk u xg.k dh dkxl dh lnL;rk

ngjknuA कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में दर्जनों लोगों ने शिवसेना छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने वाले कार्यकर्ताओं का पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री यशपाल आर्य ने फूलमालाओं से स्वागत किया। इस मौके पर श्री आर्य ने कहा कि कार्यकर्ता संगठित होकर पार्टी संगठन की मजबूती के लिए कार्य करें।

सुभाष रोड स्थित एक वैडिंग प्वाइंट में आयोजित इस कार्यक्रम में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ होते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों और कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाएं।

कांग्रेस सरकार द्वारा राज्य में कई जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा कि अंतिम छोर के व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे, इस दिशा में सरकार द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। श्री आर्य ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर अन्य दलों के लोग कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो भी कांग्रेस में शामिल होगा उसका स्वागत है।

श्री आर्य ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सभी को साथ लेकर चलती है। कांग्रेस में जो सम्मान कार्यकर्ताओं को मिलता है, वह अन्य दलों में नहीं मिलता है।

उन्होंने कहा कि टिहरी लोकसभा चुनाव नजदीक हैं, सभी कार्यकर्ताओं को चुनाव की तैयारियों में जुट जाना चाहिए। विधायक राजकुमार ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में विकास कार्यों को गति मिली है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य का चहुंमुखी विकास ही कांग्रेस सरकार का लक्ष्य है, सरकार द्वारा इस दिशा में कई कदम उठाए गए हैं।

सरकार ने बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देने का निर्णय लिया है, इससे कई बेरोजगार लाभान्वित होंगे। कांग्रेस नेता सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सरकारी सेवाओं में आयु सीमा 35 वर्ष से बढ़ाकर 40 वर्ष कर दी है, इससे हजारों बेरोजगारों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सोच विकास की सोच है। समारोह में शिवसेना के पूर्व प्रदेश उपप्रमुख अमित जैन ने अपने दर्जनों समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

जनहित में करें लेखनी का प्रयोग: कुंजवाल

देहरादून। श्रमजीवी पत्रकार यूनियन देहरादून इकाई को एक भव्य समारोह में उत्तराखण्ड विधान सभा अध्यक्ष गोविन्द सिंह कुंजवाल ने शपथ ग्रहण कराई। इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होता है। पृथक उत्तराखण्ड राज्य की निर्माण में पत्रकारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि राज्य बने 11 वर्ष हो गये है इस दौरान कई सरकारें आईं–गईं परन्तु पत्रकारों ने अपनी बेबाक लेखनी से राज्य के उन मुद्दों और समस्यों को उठाए रखा जहां तक नेताओं और सरकारों का भी ध्यान नही जाता। कुंजवाल ने कहा कि पत्रकारों ने अपनी लेखनी का प्रयोग जनहित में किया है और अपेक्षा जताई कि वे भविष्य में भी अपनी लेखनी का प्रयोग प्रदेश हित और जनहित में करते रहेंगें।

समारोह में पत्रकारिता क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिये पत्रकार चेतन गुरूंग, इलैकट्रोनिक मीडिया से सोनू सिंह, उद्योग क्षेत्र में राज लुम्बा, चिकित्सा क्षेत्र में डा. आर.के. जैन, शिक्षा क्षेत्र में जी. आई.जी. मैन, सामाजिक क्षेत्र में कमल बहुगुणा तथा पत्रकारिता के लाइफ टाइम एचीवमेंट सम्मान से वरिष्ठ पत्रकार दून रत्न प्रताप सिंह परवाना को श्रमजीवी रत्न से विधान सभा अध्यक्ष गोविन्द सिंह कुंजवाल, केबिनेट मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी तथा श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन लखेडा द्वारा सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अतिविशिष्ट अतिथि काबिना मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी ने कहा कि पत्रकारों को श्रमजीवी रत्न सम्मान से सम्मानित किया जाना बेहद सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश में ऐसे कई पत्रकार हैं जिन्होंने प्रदेश स्तर पर ही नही वरन राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखण्ड का नाम रोशन किया है। श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के प्रदेश महामंत्री विश्वजीत सिंह नेगी ने इस अवसर पर कहा कि श्रमजीवी पत्रकार यूनियन भविष्य में भी राज्य स्तर पर एक वृहद कार्यक्रम आयोजित कर उत्तराखण्ड की ऐसी विभूतियों को सम्मानित करने कार्य करेगी।

नदी के तेज बहाव में पोल बहे, विद्युत आपूर्ति ठप

- cYykokyk e Ñf"k Hkfe e Hkh dVko tkjh
- 250 xkok e fo|r lok Bi] i;ty 0;oLFkk Hkh iHkkfor

ngjknuA सुसवा नदी के तेज बहाव में तीन विद्युत लाईन के पोल बह गए हैं, जिसके चलते मारखमग्रांट के बुल्लावाला गांव के करीब दो सौ पचास घरों में विद्युत आपूर्ति ठप हो गई है। रविवार को जलस्तर घटने के बाद इन लाईनों पर काम शुरू होना था जो कि बढे जलस्तर के कारण नहीं हो पाया। इस भारी बरसात में कृषि भूमि का कटाव भी हुआ है।

लगातार हो रही बारिश से सुसवा नदी में उफान बना हुआ है। नदी के तेज बहाव से नदी किनारे लगे 11 हजार केवी की लाइनों के तीन पोल बह गए। इससे बुल्लावाला गांव में विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। सूचना मिलने पर ऊर्जा निगम के एसडीओ कंवल सिंह, अवर अभियंता राजेश डोबरियाल विभागीय टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

नदी का जलस्तर नहीं घटने के कारण लाइनों को दुरुस्त करने का काम शुरू नहीं किया जा सका। अवर अभियंता राजेश डोबरियाल ने बताया कि 11 हजार केवी की लाइनों के तीन पोल बह जाने से करीब दो सौ पचास परिवारों की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई है, साथ ही नलकूप संचालित नहीं होने से पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। उन्होंने बताया कि जलस्तर घटने व बारिश बंद होने के बाद ही लाइनों को दुरुस्त करने का काम शुरू किया जाएगा। दिन भर रुक–रुक कर होती बारिश के कारण सुसवा नदी में उफान बना हुआ था। नदी के तेज बहाव से किसानों की खेतों में सिंचाई के लिए बनाया गया बांध भी बह गया। यहीं नहीं कई किसानों की कृषि भूमि का कटाव भी हुआ है।

जलसंस्थान की लापरवाही 36 गांवों में पेयजल संकट

- noh; vkink l g, uk ikbi {kfrxLr] ejEer vkt rd ugh
- LFkkuh; ykx ih jg g xkM&x/kjk dk ikuh

ngjknuA जलसंस्थान की लापरवाही के चलते गत वर्ष दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त नौ पाइप लाइनों की आज तक मरम्मत न होने से करीब 36 गांव व मजरों में पेयजल संकट बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने कई बार जल संस्थान के अधिकारियों से इसकी गुहार लगाई, किन्तु फिर भी पाइप लाइनें ठीक नहीं कराई गई।

पिछले वर्ष आई दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त मंगरौली, कोटा, जमरौली, मरलऊ, संवाई, माक्टी, कोटी, गांरौऊ, धातरी, व्यासमूंड गांव के नाम से बनी पेयजल लाइनें क्षतिग्रस्त होने से 36 गांवों व मजरों में पेयजल संकट बना हुआ है। जल संस्थान ने इन लाइनों को ठीक कराने की आज तक जरूरत नहीं समझी।

कोटी निवासी मुकेश चौहान, राजेंद्र नेगी, खमरौली लाइन से जुड़े अरविंद चौहान, गंगा सिंह कहते हैं कि एक वर्ष से लाइनों की मरम्मत न होने से पेयजल संकट झेल रहे हैं। इस वर्ष दोबारा यह लाइन जगह–जगह क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। लोग बरसात के मौसम में गदेरों का पानी पीने के लिए विवश हैं। कई बार जल संस्थान के अधिकारियों से गुहार लगाने के बाद भी लाइनों की मरम्मत नहीं की गई।

उधर, जल संस्थान के अधिशासी अभियंता आरके उनियाल का कहना है कि अतिवृष्टि के चलते पिछले साल क्षतिग्रस्त नौ पेयजल लाइनों के रखरखाव के लिए दैवीय आपदा के तहत एस्टीमेट बनाकर भेजे गए थे, लेकिन धनराशि न मिलने के कारण लाइनों की मरम्मत नहीं कराई जा सकी है।

jkekp d vkleku e xkrk ugh [kkr XykbMj

ngjknuA उत्तराखंड में पैराग्लाइडिंग की अपार संभावनाओं को देखते हुए पर्यटन विभाग ने पौड़ी, मसूरी और पिथौरागढ़ में पैराग्लाइडिंग शुरू तो कराई, लेकिन पौड़ी में अन्य सरकारी योजनाओं की तरह ही यह योजना भी 2010 में बंद करा दी गई।

कई किलोमीटर में फैली पौड़ी की गगवाडस्यूं और पैडुलस्यूं घाटी पैराग्लाइडिंग के लिए माकूल परिस्थितियों और हवा के बेहतर दबाव के लिए जानी जाती हैं। 1994 में हिमालयन फ्लाइंग स्कूल के मनीष जोशी ने ट्रायल के तौर पर पैडुलस्यूं की कंडारा घाटी में कुछ उड़ाने भर कर पहली दफा घाटी में पैराग्लाइडिंग के लिए बेहतर परिस्थितियों का खुलासा किया।

कुसुमा फाउंडेशन ने निकाला दून में पर्यावरण जागरूकता अभियान...

अफसरों के ठेंगे पर सीएम के निर्देश

e[; loknnkrk

- l;Dr fun'kd euekuh ij mrk:] dk;jr lfonk f'k{kdk dh jkth ij ldV
- ef[;k d fun'k d ckotn ikyhVDuhdk e ugh Fkek lk{kkRdkjk dk flyflyk

ngjknuA ब्यूरोक्रेटस की मनमानी के आगे सूबाई मुखिया के आदेशों की कोई अहमियत नहीं रह गई है। पालीटेक्नीक के संविदा शिक्षकों के नियुक्ति का मामला अफसरों की मनमानी की तस्दीक है। इस मामले में मुख्यमंत्री के निर्देश के बावजूद नये सिरे से संविदा शिक्षकों के चयन को आयोजित साक्षात्कार ही निरस्त किये गये और न ही कार्यरत शिक्षकों को ज्वाइंनिग ही दी गई।

गौरतलब है कि सूबाई पालीटेक्नीकों में 110 संविदा कार्यरत है जिन्हें सोमेस्टर के आधार पर तैनाती दी जाने की प्रक्रिया प्रभाव में है हालांकि इस प्रक्रिया के तहत कार्यरत शिक्षकों को सेवा विस्तार देकर शिक्षण कार्य लिया जाता रहा है। इधर सियासी शह पर महकमें के संयुक्त निदेशक औली ने पालीटेक्नीकों में कार्यरत संविदा शिक्षकों को समय विस्तार देने के बजाय नये शिक्षकों के चयन को साक्षात्कार आयोजित करने का फरमान जारी कर दिया। महकमें के इस निर्णय ने पालीटेक्नीकों में कार्यरत सभी संविदा शिक्षकों के सामने संकट खड़ा हो गया।

महकमें के अफसरों की इस मनमानी के विरूद्ध कार्यरत संविदा शिक्षकों ने काबीना मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी और प्रीतम सिंह के दर पर दस्तक दी। दोनों मंत्रियों ने संविदा शिक्षकों की समस्या पर मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा से चर्चा कर समस्या के हल को दबाव बनाया।

मंत्रियों की वकालत पर सीएम ने नये सिरे से संविदा शिक्षकों के चयन को पालीटेक्नीकों में चल रहे साक्षात्कारों को निरस्त किये जाने के साथ कार्यरत संविदा शिक्षकों के भविष्य के मद्देनजर नीति तय किये जाने के निर्देश दिये। लेकिन महकमें के संयुक्त निदेशक ने सीएम के निर्देश को ठेंगा दिखाते हुए साक्षात्कार निरस्त नहीं उल्टे कार्यरत संविदा शिक्षकों पर भी साक्षात्कार में शामिल होने को दबाव बनाना शुरू कर दिया। साथ ही साक्षात्कार में न शामिल होने वाले संविदा शिक्षकों के ड्यूटी पर ब्रेक लगा दिया।

इस मामले में जब संयुक्त निदेशक औली से चर्चा की गई तो उन्होनें कहा कि मुख्यमंत्री ने पत्रावली में निर्देश जरूर दिये है लेकिन शासनादेश अभी तक नहीं जारी किया है जिसकी वजह से साक्षात्कार नहीं रोके जाएंगे। फिलहाल संयुक्त निदेशक की मनमानी के चलते सूबाई मुखिया के निर्देश पानी भरने को मजबूर हैं वहीं संविदा शिक्षकों के सामने रोजी रोटी का संकट उत्पन्न हो गया है।

धड़ल्ले से हो रहा है अवैध खनन

- ekfQ;kvk d g, gkSly cyUn
- tslhch] Ø'kj o MQjk ls [kys vke py jgk g [kuu dk [ky

ngjknuA राजधानी की सूखी नदियां खनन माफियाओं के लिए सोने का अंडा देने वाली मुर्गी बनी हुई हैं। हैरानी की बात यह है कि प्रतिबंध के बावजूद पुलिस व वन विभाग अवैध खनन पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रहे हैं। जिसके चलते खनन माफियाओं के हौंसले बुलंद हैं। वहीं कुछ स्थानों पर मिली भगत से भी अवैध खनन का धंधा जोरों पर है।

इस बात का एक उदाहरण डोइवाला क्षेत्र में सौंग नदी में देखने को मिल रहा है। जहां दिन–रात धड़ल्ले से जेसीबी के जरिए अवैध चुगान चल रहा है। स्थानीय लोगों की शिकायत पर दो दिन पूर्व प्रभारी तहसीलदार दल के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन वहां अवैध खनन कर रहे कर्मचारियों में उनका कोई खौफ नजर नहीं आया। मौके पर ट्रैक्टर–ट्रॉलियां नहीं डंफरों से अवैध खनन की ढुलाई की जा रही थी। डंफर भी एक– दो नहीं, पांच–पांच इस काम में जुटे हुए थे। पूर्व ग्राम प्रधान का कहना था कि सौंग नदी में शासन ने खनन पर प्रतिबंध लगाया हुआ है लेकिन खनन माफिया धड़ल्ले से अवैध खनन का कार्य कर रहे हैं। स्थानीय पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं कि लंबे समय से जेसीबी, क्रेशर व डंफरों से खुले आम यह खेल चल रहा है लेकिन उसे उसकी भनक न हो यह बात हजम नहीं होती। गौरतलब है कि पिछले दिनों डोइवाला के धर्मूचक में आधा दर्जन से अधिक ट्रैक्टर–ट्रॉलियों के जरिए अवैध खनन किये जाने की शिकायत पर पुलिस ने छापा मारा था।

इस दौरान वहां कवरेज करने गए मीड़िया कर्मियों के साथ खनन माफियाओं ने हाथापाई तक की थी, जिसके बाद पुलिस ने कार्यवाही करने का दावा किया था लेकिन चन्द दिन बाद ही जिस तरह से एक बार फिर क्षेत्र की नदियों में अवैध खनन का दुस्साहस खनन माफिया ने किया है। उससे पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे है।

संक्षिप्त समाचार

f[kykfM;k dk nh cèkkbZ

ubZ fnYyh@ngjknuA मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा ने भारतीय अंडर–19 क्रिकेट टीम के कप्तान उन्मुक्त चंद व टीम के अन्य खिलाड़ियों को अंडर–19 विश्व कप जीतने पर बधाई दी है। गौरतलब है कि भारतीय अंडर–19 क्रिकेट टीम के कप्तान उन्मुक्त चंद मूल रूप से उत्तराखण्ड के हैं।

;ktukvk dk gvk f'kykU;kl

ngjknuA विधान सभा क्षेत्र राजपुर रोड के अंतर्गत विभिन्न विकास योजनाओं जैसे मार्गों का नवीनीकरण, मार्गों पर ड्रेनेज व्यवस्था, मार्गों का सौन्दर्यीकरण, सब–वे के निर्माण, पार्किंग तथा जलापूर्ति योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण मा. मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा द्वारा 27 अगस्त 2012 (सोमवार) को एमडीडीए काम्पलैक्स निकट घंटाघर में सांय 4 बजे किया जायेगा। इस अवसर पर विधायक राजपुर रोड राजकुमार सहित सभी विभागीय अधिकारी

उपस्थित रहेंगे।

vkink ihfMrk dh vuns[kh dj jgh ljdkj% [kMMh

ngjknuA भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व मुख्यमंत्री भुवनचंद्र खंडूड़ी ने कहा कि प्रदेश सरकार आपदा पीड़ितों की अनदेखी कर रही है। सरकार अभी तक क्षति का वास्तविक आंकलन नहीं कर पायी है तो प्रभावितों की समस्याओं का समाधान कैसे होगा। पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का आपदा प्रबंधन फेल है। शिक्षण संस्थाओं का नाम बदलने पर उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस सरकार की घटिया मानसिकता का परिचायक है। उन्होंने कहा नाम बदलने से कुछ नहीं होने वाला काम करने से विकास होगा। सरकार को आपदा की घड़ी में उत्तरकाशी के अलावा अन्य जगहों के प्रभावितों की ओर भी ध्यान देना चाहिए। आरएसएस पर कांग्रेस नेता की टिप्पणी को लेकर उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति का जितना स्तर होता है वह उतनी ही बात करता है। इस मौके पर पार्टी विधायक तीरथ सिंह रावत, महावीर सिंह रांगड़, पूर्व मंत्री खजानदास, ज्ञान सिंह के अलावा जिलाध् यक्ष विनोद सुयाल, अतर सिंह तोमर, राजेन्द्र प्रसाद डबराल, संदीप रावत, संजय नेगी, धन सिंह नेगी, कृष्णा कोठारी, राजेश नौटियाल, अजय कठैत आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

fVgjh >hy l ikuh NkMu dk Øe tkjh

देहरादून। टिहरी बांध झील से उत्पादन के अलावा अतिरिक्त पानी छोड़ने का क्रम रविवार को चौथे दिन भी जारी रहा। जिला प्रशासन के निर्देश पर बांध प्रशासन ने रविवार को पावर हाउस से 550 क्यूमैक्स व स्पिल्वे से 491 क्यूमैक्स पानी छोड़ा। शनिवार को स्पिल्वे से 450 क्यूमैक्स पानी छोड़ा गया था। वहीं, बांध झील का जलस्तर आरएल (रिर्जववायर लेवल) 819.55 तक पहुंच गया है। इस संबंध में जिलाधिकारी डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश के बावजूद झील के जलस्तर को स्थिर रखा जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा पेज थ्री प्रेस,जाखन जोहड़ी रोड,
पो.ओ. राजपुर, देहरादून से मुद्रित व प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल दर्शनलाल चौक, देहरादून।
फैक्स नं०–
0135-2650558
(M) 9319700701
pagethreedaily@yahoo.co.in
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN/2005/15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।